SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल दया के बारे में क्या कहती है? — भक्ति और प्रार्थना · स्ट्रॉन्स नंबरों के साथ केजेवी शास्त्र

एक भक्ति और एक प्रार्थना · साथ ले जाने के लिए एक संक्षिप्त पाठ, और समाप्त करने के लिए एक प्रार्थना

दया — आधारभूत बाइबिल सिद्धांत

परिचय

> *आज सुबह आपके पैर फर्श को छूने से पहले ही, आपके लिए यह सत्य हो चुका है: परमेश्वर की दया नई है। वह कल के पापों के साथ पुरानी नहीं पड़ गई। आपके जागने से पहले ही वह ताज़ी होकर रखी गई थी, क्योंकि वह एक ऐसी सच्चाई से बहती है जो कभी असफल नहीं हो सकती। इस दिन के आरंभ में आपकी भेंट भुजाएँ बाँधे, आपके दोषों को गिनते हुए किसी परमेश्वर से नहीं होती। आपकी भेंट उससे होती है जो दया करने में आनंदित होता है, जिसकी दया हर सुबह नई होती है। पहले उस दया को ग्रहण कीजिए, इससे पहले कि आप उसे अर्जित करने के लिए कुछ भी करें — फिर जो दया आपने सेंत-मेंत में पाई है, उसे उस दया में बदल जाने दीजिए जो आप आज हर घड़ी, हर उस व्यक्ति को दिखाते हैं जिससे आप मिलते हैं।*

हिब्रू मुख्य शब्द

"दया" — **H2617 chesed** — वाचा की करुणा, स्थिर दया
वह करुणा जो एक वाचा से प्रवाहित होती है और असफल नहीं हो सकती — और वह हर सुबह नई है

"कोमल करुणा" — **H7356 racham** — करुणा; वही शब्द अन्यत्र गर्भ है
गहनतम धारण करने वाले स्थान से दया — माता के समान गहरी, और वह कभी विफल नहीं होती

"दया करो" — **H2603 chanan** — नीचे झुककर उस पर कृपा करना जो आपसे दीन है
एक दोषी मनुष्य की पुकार, और वह परमेश्वर जो जान-बूझकर प्रतीक्षा करता है ताकि वह उसका उत्तर दे सके

सुबह — मुझे शीघ्र ढूंढो

नीतिवचन 8:17 जो मुझसे प्रेम रखते हैं, उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ, और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं।
जो मुझसे प्रेम रखते हैं, उनसे मैं भी प्रेम रखती हूँ → और जो मुझ को यत्न से तड़के उठकर खोजते हैं, वे मुझे पाते हैं.

विलापगीत 3:22 हम मिट नहीं गए; यह यहोवा की महाकरुणा का फल है, क्योंकि उसकी दया अमर है। **[H7356 racham ⚑]** **[H2617 chesed ⚑]** (23) प्रति भोर वह नई होती रहती है; तेरी सच्चाई महान है।
नाश नहीं हुए, क्योंकि उसकी दयाएं घटती नहीं → प्रति भोर नई होती हैं + तेरी सच्चाई महान है।

भजन संहिता 5:3 हे यहोवा, भोर को मेरी वाणी तुझे सुनाई देगी, मैं भोर को प्रार्थना करके तेरी बाट जोहूँगा।
हे यहोवा, भोर को मेरी वाणी तुझे सुनाई देगी → मैं भोर को प्रार्थना करके तेरी बाट जोहूँगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — आज सुबह, इससे पहले कि आपने इसे अर्जित करने के लिए कुछ भी किया हो, दया पहले से ही नई है। आप दिन की शुरुआत ऋणी होकर नहीं करते; आप इसे पहले से ही दिए जा चुके होने के साथ शुरू करते हैं। आज परमेश्वर से और कुछ भी माँगने से पहले, ऊपर देखें और पहले यह एक बात ग्रहण करें: आज सुबह आपके

प्रति उसकी दया, बिल्कुल नई।)

दोपहर — और दोपहर को मैं प्रार्थना करूँगा

भजन संहिता 55:17 साँझ को, भोर को, दोपहर को, तीनों पहर मैं दुहाई दूँगा और कराहता रहूँगा और वह मेरा शब्द सुन लेगा।

संध्या को, और प्रातःकाल को, और दोपहर को, मैं प्रार्थना करूंगा, और चिल्लाऊंगा → वह मेरी आवाज़ सुनेगा।

प्रेरितों के काम 10:9 दूसरे दिन जब वे चलते-चलते नगर के पास पहुँचे, तो दोपहर के निकट पतरस छत पर प्रार्थना करने चढ़ा।

पतरस प्रार्थना करने के लिए घर की छत पर गया → दिन के करीब छठे घंटे।

मीका 6:8 हे मनुष्य, वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है; और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले? (मत्ती 23:23, यशा. 1:17) **[H2617 chesed ⚑]**

न्याय करना + दया से प्रेम करना + अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चलना।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दोपहर के समय, जो कर रहे हैं उसे एक मिनट के लिए रोक दें। आज सुबह के पद को याद करें। अपने आप से एक प्रश्न पूछें: क्या आज कोई आपके मार्ग में आया जिसे दया की आवश्यकता थी और उसे आपसे नहीं मिली? यदि हां, तो यही वह क्षण है पीछे मुड़ने और उसे देने का, चाहे केवल एक शब्द से ही हो। फिर अपने काम पर लौट जाएं।)

रात — दिन और रात मनन करना

भजन संहिता 63:6 जब मैं बिछौने पर पड़ा तेरा स्मरण करूँगा, तब रात के एक-एक पहर में तुझ पर ध्यान करूँगा;

जब मैं बिछौने पर पड़ा तेरा स्मरण करूँगा → तब रात के एक-एक पहर में तुझ पर ध्यान करूँगा.

भजन संहिता 51:1 हे परमेश्वर, अपनी करुणा के अनुसार मुझ पर अनुग्रह कर; अपनी बड़ी दया के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दे। (लूका 18:13, यशा. 43:25) **[H7356 racham ⚑] [H2617 chesed ⚑] [H2603 chanan ⚑]**

हे परमेश्वर, मुझ पर दया कर → अपनी अपार करुणा के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दे।

इफिसियों 4:26 क्रोध तो करो, पर पाप मत करो; सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे। (भज. 4:4)

क्रोध तो करो, पर पाप मत करो → सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे। (भज. 4:4.

हृदय में छिपाने योग्य वचन

भजन संहिता 100:5 क्योंकि यहोवा भला है, उसकी करुणा सदा के लिये, और उसकी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है। **[H2617 chesed ⚑]**

उसकी करुणा सदा के लिये → और उसकी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — आज रात, दिन को इन दो पदों की कसौटी पर पीछे मुड़कर देखो। आज तुम्हें कहाँ दया की आवश्यकता थी, और क्या तुमने उसे माँगा? कहाँ किसी को तुम्हारी दया की आवश्यकता थी, और क्या तुमने इसके बजाय क्रोध में रोक रखा? सोने से पहले उसे जाने दो, जैसा इफिसियों 4:26 कहता है। फिर विश्राम करो: उसकी दया अनंत है, और वह आज समाप्त नहीं हुई, और वह कल भी समाप्त नहीं होगी।)

अंतिम विचार

व्यवस्थाविवरण 6:6 और ये आज्ञाएँ जो मैं आज तुझको सुनाता हूँ वे तेरे मन में बनी रहें (7) और तू इन्हें अपने बाल-बच्चों को समझाकर सिखाया करना, और घर में बैठे, मार्ग पर चलते, लेटते, उठते, इनकी चर्चा किया करना। (इफि. 6:4)

ये बातें तेरे मन में रहें → जब तू बैठे, चले, लेटे, और उठे, तब इनकी चर्चा किया कर।

> *दया दिन के किसी एक घंटे भर के लिए विषय नहीं है। यह तब नई थी जब तुम जागे, इसकी फिर आवश्यकता दोपहर में हुई, और यह वही अंतिम बात है जो तुम्हें याद रहती है कि जब तुम सोने जाते हो, तब भी तुम्हें इसकी आवश्यकता है और यह तुम्हारे पास है। घर में बैठना, मार्ग पर चलना, लेटना, और उठना — एक सामान्य दिन का हर भाग परमेश्वर की दया के भीतर जीया जा सकता है, यदि तुम इन तीनों समयों में हर बार इसकी ओर लौटते रहो।*

आज लागू करें

1. (सुबह) आज सुबह कुछ भी खाने से पहले, विलापगीत 3:22-23 को एक बार ऊँची आवाज़ में पढ़ें, और आज की एक विशेष नई दया के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें।
2. (दोपहर) दोपहर के समय, एक मिनट के लिए रुकें और अपने आप से पूछें कि क्या आज आपसे मिलने वाले किसी व्यक्ति को आपसे दया की आवश्यकता थी। यदि हां, तो दिन समाप्त होने से पहले वापस जाकर वह दया दिखाएं।
3. (रात) सोने से पहले, एक बात का नाम लो जिस पर आप अब भी क्रोधित हैं, और इफिसियों 4:26 के अनुसार उसे छोड़ दें — उसे कल तक न ले जाएँ।
4. (किसी भी समय) आज के पठन में से एक पद किसी दूसरे व्यक्ति को सुनाएँ, और उनसे कहें कि वे कल फिर आपको उसकी याद दिलाएँ।

प्रार्थना

हे प्रभु, आपने मुझे अपना ही नाम बताया है, और दया उसका पहला शब्द थी। आप दयालु और अनुग्रहकारी हैं, क्रोध करने में धीमे, और दया से भरपूर हैं; आपकी दया प्रति भोर नई है, और वह सर्वदा बनी रहती है। मैं आपकी सबसे छोटी दया के भी योग्य नहीं हूँ, तौभी आपने कहा है कि आप दया से प्रसन्न होते हैं। इसलिए मैं आता हूँ — चढ़कर नहीं, परन्तु पुकारकर; अपने पाप को ढँककर नहीं, परन्तु उसे मान लेकर: मुझ पापी पर दया कर। अपनी करुणा की बहुतायत से मेरे पापों को मिटा दे, और उन्हें मुझसे उतना ही दूर कर दे जितना पूर्व पश्चिम से दूर है। आप मुझसे चाहते हैं कि मैं दया से वैसे ही प्रेम करूँ जैसे आप उससे प्रेम करते हैं; इसलिए मुझे दयालु बना, जैसे मेरा पिता दयालु है, ताकि जैसे मैंने दया पाई है वैसे ही मैं अपने भाई पर भी दया दिखाऊँ। और क्योंकि बहुतों का प्रेम ठण्डा हो जाएगा, मुझे वह दया दे जिसकी मुझे अंत तक धीरज धरने और ठण्डा न पड़ने के लिए आवश्यकता है। मेरे हृदय को अपने प्रति गर्म रख, कि मैं थक न जाऊँ, परन्तु मृत्यु तक विश्वासयोग्य पाया जाऊँ। मैं साहस के साथ आपके अनुग्रह के सिंहासन के निकट आता हूँ, ताकि मुझे दया प्राप्त हो, और आवश्यकता के समय सहायता के लिए अनुग्रह मिले; और मैं सर्वदा आपकी दया का गीत गाऊँगा। आमीन।

समापन

भजन संहिता 136:26 स्वर्ग के परमेश्वर का धन्यवाद करो, उसकी करुणा सदा की है। **[H2617 chesed ⚑]**

स्वर्ग के परमेश्वर का धन्यवाद करो → उसकी करुणा सदा की है.

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).